Economic Development
आर्थिक विकास

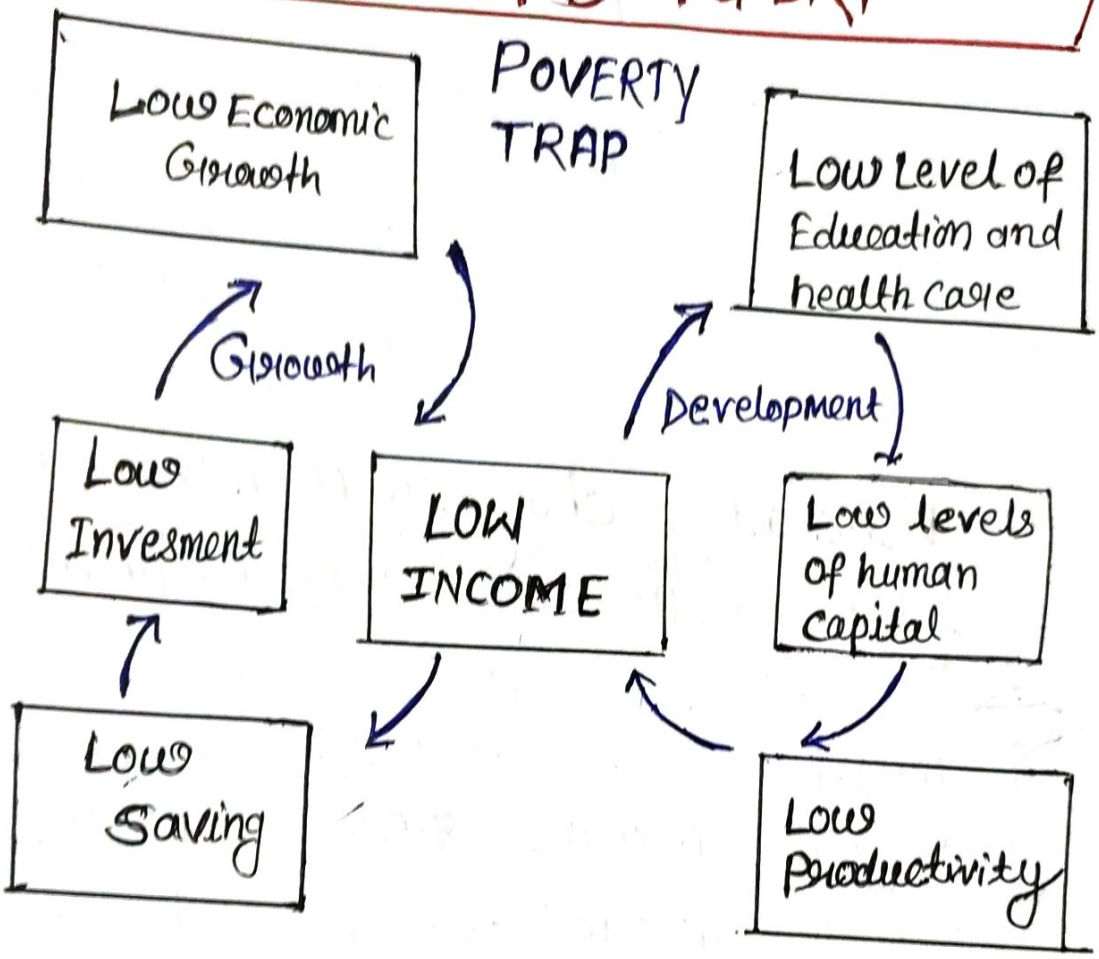

Economic Development :- आर्थिक विकास

- आर्थिक विकास समाज की भौतिक भलाई मे निरंतर सुधार के रूप मे परिभाषित किया गया है।
- आर्थिक विकास की तुलना मे अवधारणाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है आर्थिक विकास
- राष्ट्रीय आय वृद्धि के अलावा, इसमे सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन शामिल है जो भौतिक प्रगति मे योगदान करते है

Economic Development

The process in which people in a Country Become wealthier, healthier, better educated, and have greater access to good quality housing.

Features of Economic Development

- Literacy rate
- Infrastructure
- Internet access
- Academic level
- Access to good quality housing
- People shift from agriculture to Industry then service sector.
- Standard of living.
- Access to good quality healthcare.

Factors Affecting Economic Development
आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक

1 अवसंरचनात्मक विकास (Infrastructural Development)

2. शिक्षा (Education)

3. पूंजी निर्माण मे वृद्धि (Increase in capital formation)

4. राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय (National Income and per capita Income)

5. क्रय शक्ति समानता (Purchasing power Parity) (PPP)

6. ग्रीन जीडीपी (Green GDP)

7. मानव विकास सूचकांक (Human Development Index)

8. राजनीतिक स्थिरता (Political Stability)

9. व्यापक आर्थिक स्थिरता (Macroeconomic Stability)
(मुद्रास्फीति, राजकोषीय नीति, रोजगार स्तर राष्ट्रीय आय, वैश्विक/अंतराष्ट्रीय व्यापार)

10. प्राकृतिक संसाधन (Natural Resources)

11. बचत दर / विदेशी निवेश (Saving Rate/foreign Investment).

12. व्यापार मे रुकावटें (Barriers In Trade).

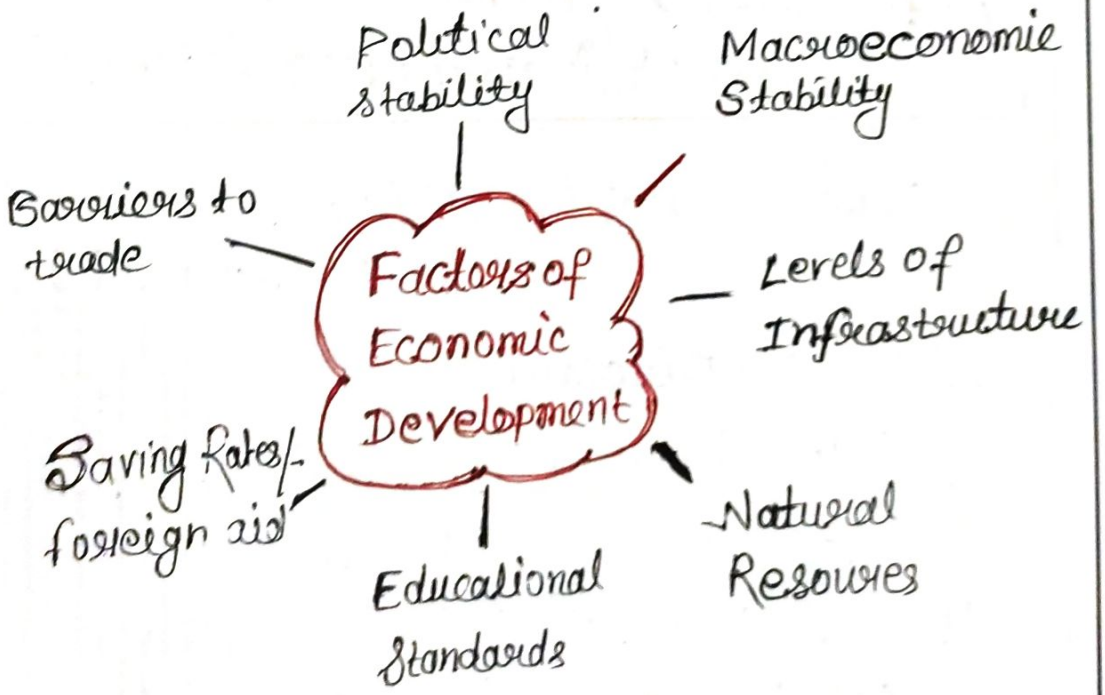

आर्थिक विकास के उपाय
Measures to Economic Development

1. मानव विकास सूचकांक
(Human Development Index)

2. ग्रहों का दबाव समायोजित सूचकांक (PHDI)
(Planetary pressure Adjusted Index)

3. लिंग विकास सूचकांक (GDI)
(Gender Development Index)

4. लिंग सशक्तिकरण उपाय (GEM)
(Gender Empowerment Measure)

5. लैंगिक असमानता सूचकांक
Gender Inequality Index)

6. असमानता समायोजित एचडीआई
(Inequality Adjustment HDI)

7. बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (MPI)
(Multi-Dimensional poverty Index)

8. जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता (PQLI)
(Physical Quality of Life Index)

9. ग्लोबल नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स (GNH
Global National Happiness Index)

अन्य महत्वपूर्ण रिपोर्ट :-

1. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट – 2022
2. ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स - 2022

1. मानव विकास सूचकांक (Human Development Index)

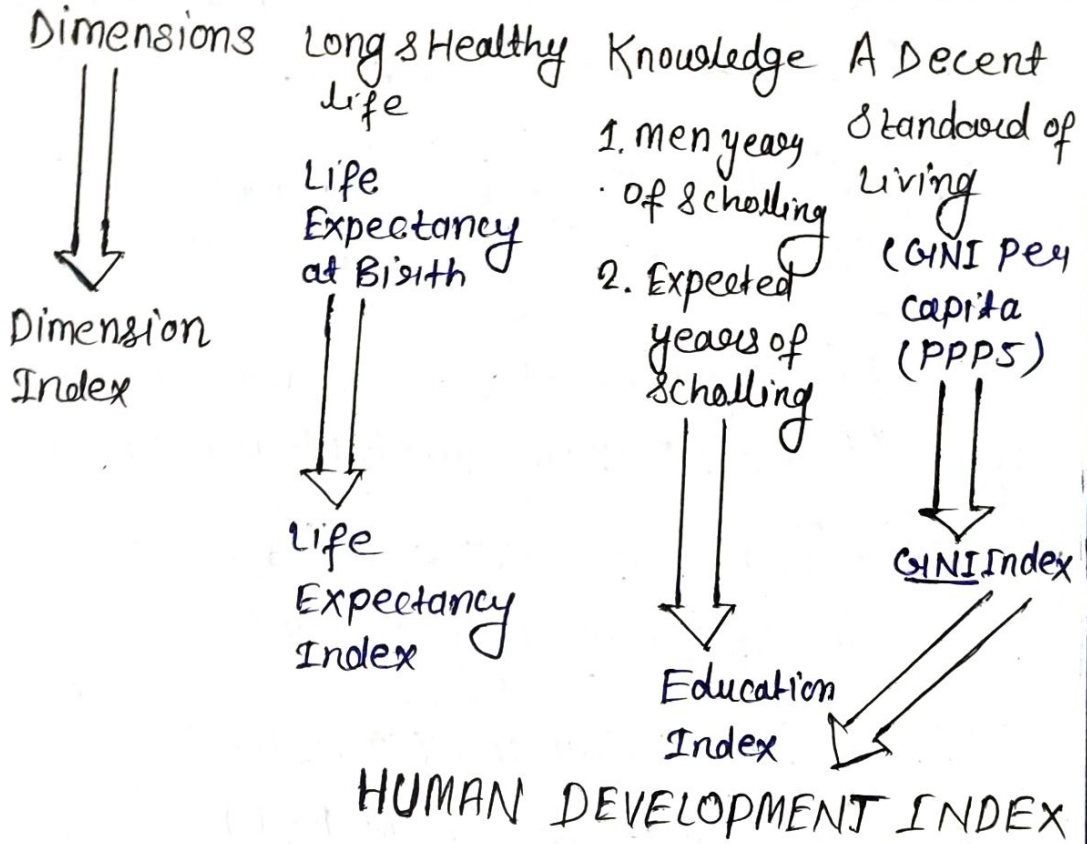

- मानव विकास सूचकांक (HDI) जीवन की गुणवत्ता में स्तर और परिवर्तन को मापता है।
- "महबूब उल हक" और "अमर्त्य सेन" पाकिस्तान और भारत के दो प्रसिद्ध अर्थशास्त्री
- 1990 में (UNDP) द्वारा पेश किया गया था और 2012 को छोड़कर, तब से हर साल जारी किया जाता है।

- HDI का 0.000 से 1.000 तक होता है एक।

0.000 - 0.4999 (कम HDI)

0.500 - 0.799 (मध्यम HDI)

0.800 - 1.000 (उच्च HDI)

मानव विकास रिपोर्ट 2021-22
Human Development Report

- भारत 191 देशों में 132 वें स्थान पर है और वर्ष 2020 में 130, बांग्लादेश (129) और श्रीलंका (73) से पीछे।

- भारत का नवीनतम HDI मूल्य 0.633 (132) देश का मध्यम मानव विकास श्रेणी में रखता है, जो 2020 की रिपोर्ट में इनके मूल्य 0.645 (130) से कम है।

- जीवन प्रत्याशा (Life Expectancy) :- 2021 में भारत की जनप्रत्याशा - 69.7 से 67.2 वर्ष (जीवन प्रत्याशा में वैश्विक गिरावट, 2019 से 72.8 वर्ष से घटकर 71.4 वर्ष हो गयी।

- स्कूली शिक्षा :(Schooling):-
स्कूली शिक्षा के आपेक्षित वर्ष 11.9 वर्ष 2020 की रिपोर्ट में 12.2 साल से नीचे, स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष 6.7 वर्ष 2020 की रिपोर्ट में 6.5 साल से।

- इसी अवधि में महिलाओं के लिए स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष घटकर 12.6 से घटकर 11.9 वर्ष हो गया।

- सकल राष्ट्रीय कमाई : प्रति सकल राष्ट्रीय आय 6,590 अमेरिकी डॉलर।

- भारत के पड़ोसियों में, श्रीलंका (73वें), चीन (79वें) बांग्लादेश (129वें) और भूटान (127वें) का स्थान भारत से ऊपर है जबकि पाकिस्तान (161वें) नेपाल (143वें) और म्यांमार (154वें) की स्थिति और खराब है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 90% देशों ने 2020 या 2021 में अपने HDI मूल्य में गिरावट दर्ज की है।

देश और उनका प्रदर्शन

- स्विट्जरलैंड (1, 0.962), नॉर्वे (2, 0.961) आइसलैंड (30.959) डेनमार्क (6, 0.948), स्वीडन (7, 0.947) आयरलैंड (8, 0.945) जर्मनी (9, 0.942) है और नीदरलैंड्स (10, 0.941)।

- दीप राष्ट्र के बाद श्रीलंका (73 और 0.782), चीन (79 और 0.768), भूटान (127 और 0.666) बांग्लादेश (129 और 0.661), भारत, नेपाल (143 और 0.602) और पाकिस्तान (161 और 0.544) का स्थान रहा।

ग्रहों का दबाव समायोजित मानव विकास सूचकांक (Planetary pressure Adjusted Index (PHDI))

Country (HDI Rank)	INDIA	World	China	Switzerland
PHDI	0.609	0.667	0.648	0.796
PHDI (VS HDI)	Falls by 4%	falls by 9%	falls by 16%	falls by 17%

- PHDI देश के स्तर के अनुसार मानक HDI को समायोजित करता है कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन और भौतिक पदचिन्ह प्रति व्यक्ति के आधार पर प्रत्येक।

- भारत का प्रदर्शन :-

- भारत रैंकिंग में आठ पायदान ऊपर चढ़ेगा (123 वां)
- पेरिस समझौते के तहत, भारत ने 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 33-35% तक कम करने और 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 40% बिजली क्षमता प्राप्त करने का संकल्प लिया।

- भारत में और क्षमता में वृद्धि हुई मार्च 2014 में 26 गीगावाट से जुलाई 2019 में 30 गीगावाट तक निर्धारित समय से चार साल पहले 20 गीगावाट को अपने लक्ष्य को प्राप्त करना।

- 2014 में, स्थापित सौर क्षमता के मामले में भारत पांचवें स्थान पर रहा।

- राष्ट्रीय सौर मिशन का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन आधारित विकल्पों के साथ सौर ऊर्जा को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बिजली उत्पादन और अन्य उपयोगों के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है

3. लिंग विकास सूचकांक (Gender Development Index)

Gender Development Index

Country (HDI Rank)	India (#232)	World	China (#29)	Switzerland (#2)
GDI	0.849	0.958	0.984	0.967
GNI per Capita for Women (in) 2017 (PPPS)	2,277	12,241	13,980	54,597
GNI per capita for men (in 2017 PPPs)	10,633	21,210	20,883	79,451

- मानव विकास रिपोर्ट 1995 में पेश किया गया।

- GDI लेखांकन द्वारा मानव विकास उपलब्धियों में लैंगिक अंतराल को मापता है तीन बुनियादी आयामों में महिलाओं और पुरुषों के बीच असमानताओं के लिए मानव विकास के - स्वास्थ्य, ज्ञान और जीवन

स्तर HDI के समान घटक संकेतकों का उपयोग करना।

- यह अनुपात 1 के जितना करीब होगा, मानव विकास सूचकांक के संदर्भ में महिलाओं और पुरुषों के बीच लिंग अंतर उतना ही कम होगा।

- भारत का GDI 0.849 पर है जो विश्व औसत 0.958 से काफी पीछे हैं।

- भारत का GDI 0.849 पर है जो विश्व औसत 0.958 से काफी

- मानव जीवन प्रत्याशा 2020 की रिपोर्ट में 71 वर्ष से गिरकर 2021 की रिपोर्ट में 68.8 वर्ष हो गई।

- भारत के दृष्टिकोण से, प्रमुख मानव विकास सूचकांक मीट्रिक जहाँ महिलाएं पुरुषों से सबसे पीछे लगती हैं, प्रति व्यक्ति आय हैं।

- GDI - महिला HDI / पुरुष HDI

4. लिंग सशक्तिकरण उपाय (GEM)

- 1995 में पेश किया गया।

- UNDP द्वारा विकसित

- यह लैंगिक असमानता को तीन प्रमुख आयामों में मापता है।

  (a) राजनीतिक भागीदारी और निर्णय लेना

(b). आर्थिक भागीदारी और निर्णय लेना।

(c). आर्थिक संसाधनों पर शक्ति

5 लैंगिक असमानता सूचकांक
Gender Inequality Index

- GII UNDP द्वारा जारी असमानता सूचकांक है यह मानव विकास के तीन महत्वपूर्ण पहलुओं में लैंगिक असमानताओं को मापता है।

प्रजनन स्वास्थ्य :-

मातृ मृत्यु अनुपात (प्रति 100000 जीवित जन्मों पर जन्म या गर्भावस्था के कारण मातृ मृत्यु की संख्या) और किशोर जन्म दर (प्रति 1000 महिलाओं पर 15 से 19 वर्ष की महिलाओं के जन्म की वार्षिक संख्या) द्वारा मापा जाता है।

अधिकारिता :-

महिलाओं के कब्जे वाली संसदीय सीटों का अनुपात और कम से कम कुछ माध्यमिक शिक्षा के साथ व्यस्क महिलाओं ~~के जन्म~~ और 25 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों के अनुपात द्वारा मापा जाता है; और

आर्थिक स्थिति :-

श्रम बाजार भागीदारी के रूप में व्यक्त किया गया और 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला और पुरुष आबादी की श्रम बल भागीदारी दर द्वारा मापा गया।

Country HDI Rank	India 132	World	China (79)	Switzerland (#2)
Maternal Mortality ratio (Deaths per 20,000 live Births	122	235	29	5
Adolescent Birth rate (Births per 1000 women ages 15-19)	27	43	22	2.2
Share of seats in parliament% held by women	23	26	35	40
Female population with at least some secondary education (% ages 25 and elder)	42	64	78	97
Labour force participation rate % ages 15 and older	29	46	62	62
GIB	0.490	0.465	0.292	0.028

लैंगिक असमानता सूचकांक - 2021

- GII में, भारत 190 देशों में से 122 वें स्थान पर है।

- भारत का GII 0.490 (2020 में 0.493) जो 0.465 के विश्व औसत से थोड़ा कम है।

- भारत का प्रदर्शन चीन से काफी नीचे है जिसका GII मान 0.192 है।

असमानता समायोजित HDI

Country (HDI rank)	India (#232)	World	China (#79)	Switzerland (#1)
What happens to HDI when adjusted for Inequality	falls by 25%	falls by 29%	falls by 25%	falls by 7%
Income share held by poorest 40% of	20%	18%	17%	20%
Income share held by the richest 2%	22%	17%	14%	12%

- 2010 में पेश किया गया।

- IHDI असमानता के कारण ____ में प्रतिशत हानि दर्शाता है।

- यदि कोई असमानता नहीं है, तो HDI, IHDI के बराबर होगा।

- भारत के लिए, 2019 के लिए IHDI मान 0.533 है।

- रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का मानव विकास सूचकांक 25% तक गिर जाता है जब असमानता के लिए समायोजित यह वैश्विक औसत 19% से अधिक है।

- ऐसा इसलिए है क्योंकि सबसे अमीर 1% आबादी की आय का हिस्सा सबसे गरीब 40% की आय से अधिक है।

7. बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (MPI)

- 2010 में पेश किया गया

- संयुक्त राष्ट्र अमेरिका कार्यक्रम (UNDP) और ऑक्सफोर्ड गरीबी मानव विकास पहल ओपीएचआई (OPHI) द्वारा जारी

- सूचकांक 109 देशों और 5.9 अरब लोगों के डेटा पर विचार करता है।

- एक व्यक्ति बहुआयामी रूप से गरीब है यदि वह भारित संकेतकों (दस संकेतकों में से)

के एक तिहाई या अधिक (अर्थात् 33% या अधिक) से वंचित है, उन्हे अत्यधिक बहुआयामी गरीबी मे रहने वाले माना जाता है।

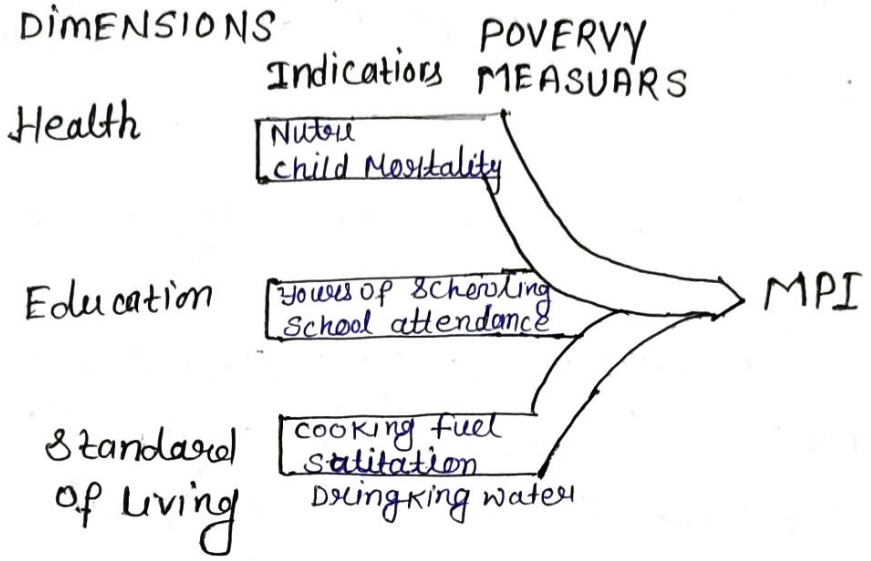

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2022
Global Multidimensional poverty Index (MPI)

- 1.2 अरब लोग बहुआयामी रूप से गरीब हैं।
- इनमे से लगभग आधे गंभीर गरीबी मे रहते हैं।
- आधे गरीब लोग (593 मिलियन) 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं
- उप सहारा अफ्रीका (579 मे गरीब लोगो की संख्या सबसे अधिक है, इसके बाद दक्षिण एशिया (385 मिलियन) का स्थान है दोनो क्षेत्रो में एक साथ 83% गरीब लोग रहते हैं

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) और भारत
Global Multidimensional Poverty Index (MPI) and India

1 22.8 करोड़ के साथ भारत मे दुनिया भर में सबसे अधिक गरीब लोग हैं, इसके बाद

नाइजीरिया में 9.6 करोड़ लोग हैं।

- देश मे 2005/06 मे गरीबी की घटना 55.1% से गिरकर 2019/2021 मे 16.4% हो गई।

- 2005-06 और 2019-21 के बीच 15 साल की अवधि के दौरान भारत में 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले।

- 2005-06 और 2019-21 के बीच 15 साल की अवधि के दौरान भारत मे 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले।

- **राज्यो का प्रदर्शन:**

a). बिहार, 2015-16 मे सबसे गरीब राज्य, एमपीआई मूल्य में पूर्ण रूप से सबसे तेज कमी देखी गई।

(i) बिहार में गरीबों का प्रतिशत 2005-06 में 77.4% से गिरकर 2015-16 में 52.4% 2019-21 मे 34.7% हो गया।

(b). हांलाकि, सापेक्ष रूप मे, सबसे गरीब राज्य अभी तक पकड़ में नही आए हैं।

(i) 2015/2016 मे 10 सबसे गरीब राज्यो मे से केवल एक (पश्चिम बंगाल) 2019-21 की सूची से बाहर हुआ है।

(ii) बाकी (बिहार, झारखंड, मेघालय, मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश, असम, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और राजस्थान) 10 सबसे गरीब लोगों मे से है।

c). भारत मे राज्यो और केन्द्र शासित प्रदेशो मे, सापेक्षिक रूप से सबसे तेज कमी गोवा मे हुई, इसके बाद जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश, छत्तीशगढ़ और राजस्थान का स्थान रहा।

5. क्षेत्रवार गरीबी में कमी :

a). 2015-2016 मे गरीबी की घटना 36.6% से घटकर 2019-2021 में ग्रामीण क्षेत्रो में 21.2% और शहरी क्षेत्रो में 9.0% से 5.5% तक गिर गई।

10 Indicates

Nutrition (1/6)	Child Mortality (1/6)	Years of Schooling (1/6)	School attendance (1/6)	Cooking fuel (1/18)	Sanitation (1/18)	Drinking Water (1/18)	Electricity (1/18)	Housing (1/18)	Assets (1/18)
Health (1/3)		Education (1/3)		Living Standards (1/3)					

3 Dimensions of Poverty

- राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक : नीति आयोग
National Multimensional poverty Index : NITI Ayog

- 12 संकेतक (स्वास्थ्य - प्रसव पूर्व देखभाल और जीवन स्तर बैंक खाता)

- बिहार में राज्य में जनसंख्या का सबसे अधिक अनुपात है जिसके बाद झारखंड और उत्तर प्रदेश है जो बहुआयामी रूप से गरीब है

- केरल ने सबसे कम जनसंख्या गरीबी स्तर दर्ज किया, इसके बाद पुडुचेरी, लक्षद्वीप, गोवा और सिक्किम का स्थान है।

8. जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता (PQLI) Physical Quality of Life Index (PQLI)

- मॉरिस डेविस द्वारा 1970 के दशक के मध्य में ओवरसीज डेवलपमेंट काउंसिल के लिए फिजिकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स (PQLI) विकसित किया गया था।

- जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता तीन चरों के आधार पर किसी देश के जीवन या कल्याण की गुणवत्ता को मापती है।

a). बुनियादी साक्षरता दर

b). शिशु मृत्यु दर

c). एक वर्ष की आयु में जीवन प्रत्याशा

9. ग्लोबल नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स (GNH) Global National Happiness Index GNH

- ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस शब्द 1970 के दशक में महामहिम भूटान के चौथे राजा, जिग्मे सिंग्ये वांगचुक द्वारा गढ़ा गया था।

- सकल राष्ट्रीय खुशी (GNH) भूटान में सकल घरेलू उत्पाद माप के विकल्प के रूप में आर्थिक और नैतिक प्रगति को मापता है

- अवधारणा का तात्पर्य है कि सतत विकास को प्रगति की धारणाओं के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और कल्याण के गैर-आर्थिक पहलुओं को समान महत्व देना चाहिए।

- 2012 में, वैश्विक स्तर पर सकल खुशी सूचकांक के आधार पर संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा पहली बार वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की गई थी।

- रिपोर्ट आमतौर पर 150 देशों की रैंक करती है।

- यह कई कारकों पर आधारित है जैसे प्रति व्यक्ति वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद, एक सामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, जीवन विकल्प बनाने की स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की धारणा।

- अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस - 20 मार्च

- **वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2022**
  World Happiness Report 2022

- इस साल, रिपोर्ट में 146 देशों को स्थान दिया गया।
- भारत ने अपनी रैंकिंग में मामूली सुधार देखी, एक साल पहले 139 से तीन स्थानों की छलांग लगाकर 136 पर पहुँच गया।
- फिनलैंड को पांचवें वर्ष के लिए दुनिया का सबसे खुशहाल देश नामित किया गया है जिसके बाद डेनमार्क है।

— अफगानिस्तान को सबसे दुखी राष्ट्र के रूप में स्थान दिया गया, इसके बाद क्रमशः लेबनान, सिरियाई रवांडा और बोत्सवाना का स्थान रहा।

11. ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स-2022
Global Gender Gap Index--2022

* Four key Dimensions (चार प्रमुख आयाम)
— आर्थिक भागीदारी और अवसर
— शिक्षा प्राप्ति
— स्वास्थ्य और जीवन रक्षा
— राजनीतिक अधिकारिता

The gender Score

India ranked 135 in gender parity out of 146 countries. according to the Global Gender Gap report 2022 released by the world Economic Forum. A look at India's ranking in the four sub-Indexes based on which the overall ranking was Determined.

India	Rank 2022
Global gender gap Index	135
Economic participation and opportunity	143
Educational attainment	107
Health and Survival	146
political empowerment	48

out of 146 Countries

- World Economic forum (WEF) ranked India at 135 out of 146 countries in its Global Gender Gap (GGGI) Index for 2022.

- India's overall score has Improved from 0.625 (in 2021) to 0.629, which is its seventh-highest score in the last 16 years.

* In 2021, India was ranked 140 out of 156 countries.

- The gender gap is the difference between Women and men as reflected in social political, Intellectual, cultural, or economic attainments or attitudes.

India's Rank				
Index/Sub-Index	2022 (146 countries)		2021 (156 countries)	
	Rank	Score	Rank	Score
वैश्विक लिंग अंतर Global Gender Gap Index	135	0-629	140	0.625
राजनीतिक अधिकारिता Political empowerment	48	0.267	51	0.216
आर्थिक भाग लेना Economic participation	143	0C50	151	0C26
शिक्षात्मक प्राप्ति Education attainment	107	0.961	114	0.962
स्वास्थ्य और जीवित रहना Health and Survial	146	0.937	155	0.937

Human Development Index (HDI)

HDI

1. Mean year of schooling (स्कूल की औसत वर्ष):-

औसत स्कूलिंग शिक्षा वर्ष किसी देश की 25 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी की शिक्षा की पूर्ण किए गए वर्षों की औसत संख्या है जिसमें व्यक्तिगत Grade को दुहराने में बिताये गए वर्ष शामिल नहीं हैं।

2. Expected year of schooling :-
स्कूलिंग शिक्षा के आपेक्षित वर्ष :-

यह उन वर्षों की संख्या है जिसके दौरान एक या दो वर्षिय बच्चा स्कूली शिक्षा में खर्च करने / बिताये / रहने की उम्मीद कर सकता है जो किसी निश्चित तिथि पर स्कूल नामांकन दर पर आधारित होता है।

इन आपेक्षित वर्षों की गणना 2 से 29 वर्ष की विभिन्न आयु में देखी गई नामांकन दरों के योग के रूप में की जाती है।

Green GDP / GDP-Environment Degradation

- उत्पादन से होने वाला पर्यावरण क्षरण
- Green GDP - पर्यावरणीय क्षति और पारिस्थितिय
- क्षरण की लागत को GDP से घटा कर किसी अर्थव्यवस्था के वृद्धि को मापने का तरीका है
- इसे राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (SNA) ने प्रारंभ किया था।

GP088 Environment product

सकल पर्यावरण उत्पाद :-

- इसको उत्तराखंड ने घोषणा की।
- यह परिस्थितिकि तंत्र के द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मानव कल्याण, आर्थिक एवं सामाजिक विकास आदि के योगदान को मापता है।

Global Multidimensial poverty - 2023

बहुआयामी गरीब :- 1.1 Billion [कुल जनसंख्या का 18%] 6.1 Billion लोगों में

- Maximum poverty अधिकतम गरीबी

a). सब सहारा अफ्रीका - 534 million

b). दक्षिण एशिया - 389 million

c). बच्चे - [under 18 years]

= 566 million बहुआयामी गरीब

=[27.7%]

d). Adult - [30.4%]

* **Vulnarable poor :-**

जो 20 से 33.3% में वंचित हैं सभी संकेतकों को

* **Global GMP_I and India**

a). 415 million लोग गरीबी से बाहर आए हैं

National Dimentional poverty Index – 2023

- NNPI सबसे पहली बार 2021 मे रिलिज हुआ।
- NMPI 2023 – 2nd Edition दूसरी बार जारी हुआ।
- 30.5 crore लोग – बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं।

बहुआयामी गरीबी

- 2015/16 — 24.96%
- 2019/21 — 14.96%

Rural poverty (ग्रामीण गरीबी)

- 2015/16 — 32.59%
- 2019/21 — 19.28%

Urban poverty, शहरी गरीबी

- 2015/16 — 8.65%
- 2019 – 21 — 5.27%

Shapes of Economy

- V-shaped Economy
- U-shaped Economy
- W-shaped Economy
- L-shaped Economy
- Z-shaped Economy
- K-Shaped Economy

Business cycle

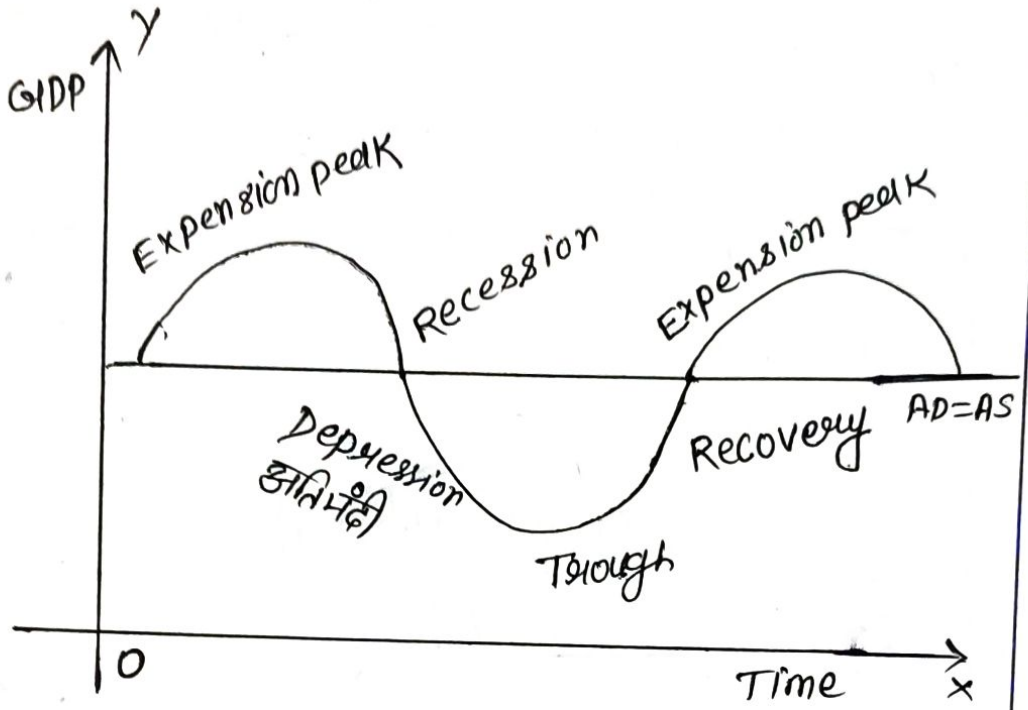

V-Shaped Economy

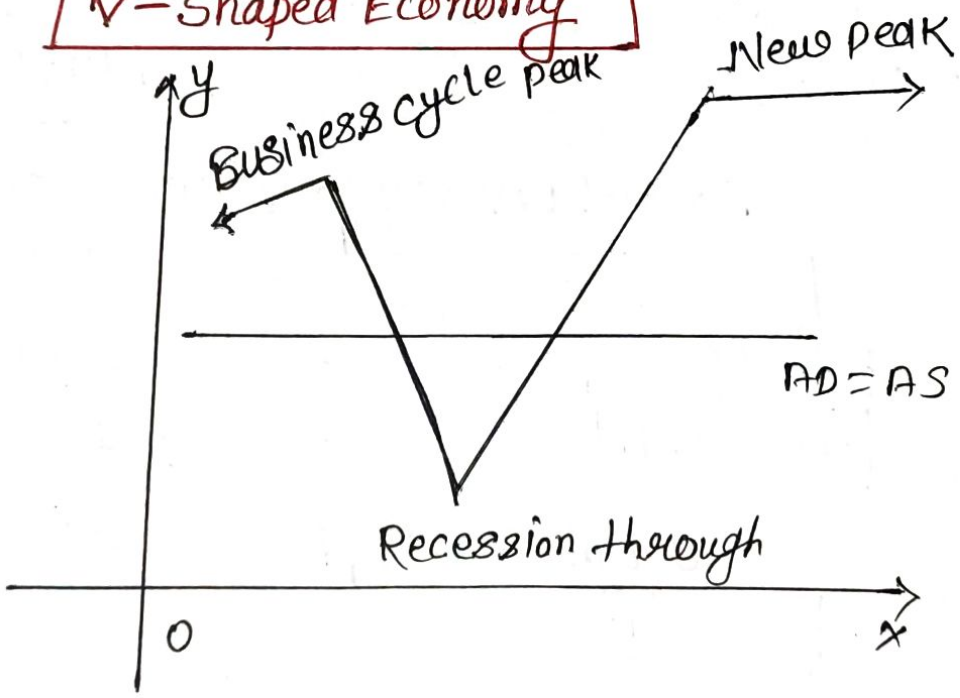

- V-Shaped अर्थव्यवस्था मे त्वरित (Quick Recovery) होती है। एवं अर्थव्यवस्था अपने सामान्य अवस्था में पहुँच जाती है
- आय एवं रोजगार स्थाई रूप से कभी खत्म नही होती है क्योंकि आर्थिक अवस्था तेजी से ठीक हो जाती है।

U-Shaped Economy

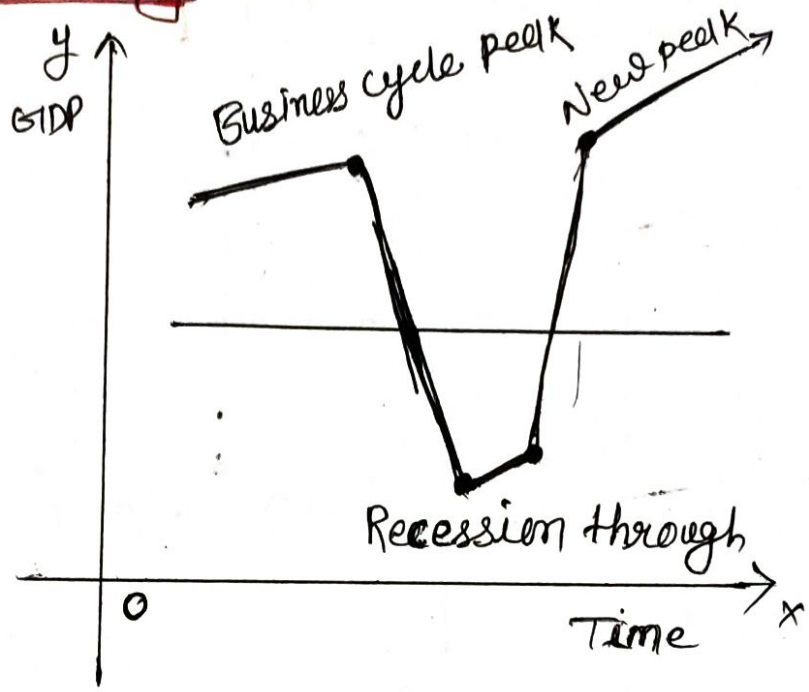

— इसमें अर्थव्यवस्था गिरने के बाद धीरे-धीरे सामान्य दर / स्तर तक बढ़ने से पहले, कुछ समय के लिए कम विकास दर के आस-पास संघर्ष करती है।

— कुछ समय के लिए लोगों की नौकरियाँ चली जाती है एवं वे अपनी बचत पर आधारित होते है।

— लम्बी U-shaped आकृति

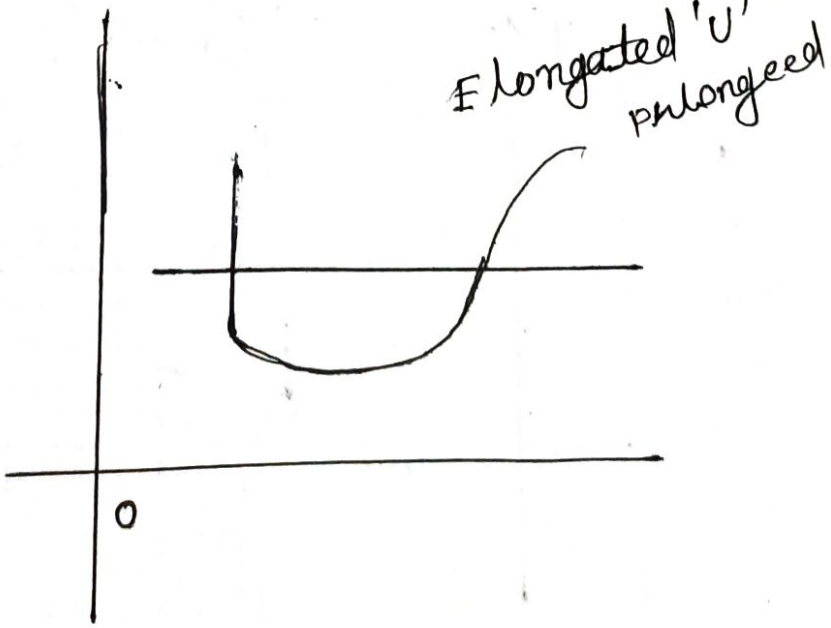

W-Shaped Economy

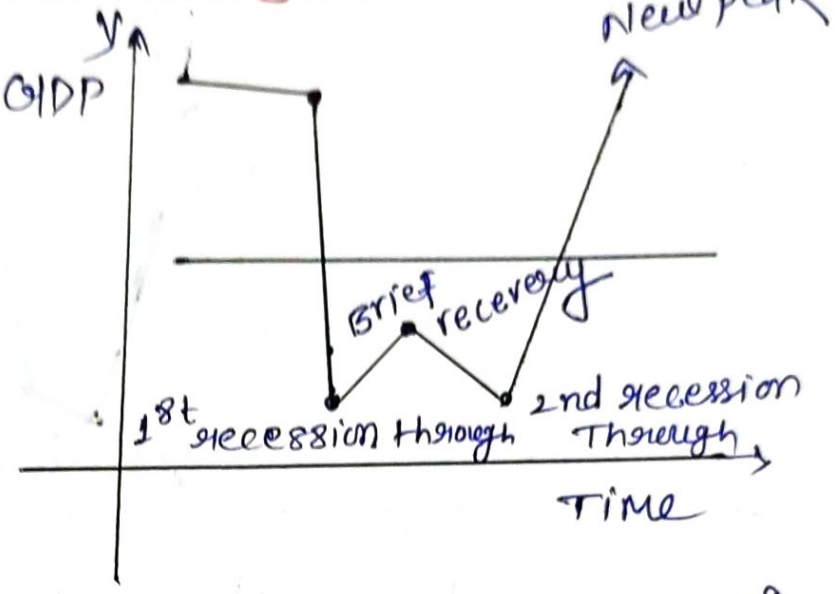

- ऐसी अवस्था मे एक अर्थव्यवस्था पहले मंदी में आती फिर थोड़ा सा सुधार होने के बाद दुबारा मंदी की अवस्था मे चली जाती है एवं उसके बाद अपने सामान्य अवस्था में वापस लौटती है।
- इसे Double-Dip-Recession भी कहते हैं।
- यह भारत मे covid-महामारी के दुसरे लहर के समय हुई।

L-Shaped Economy

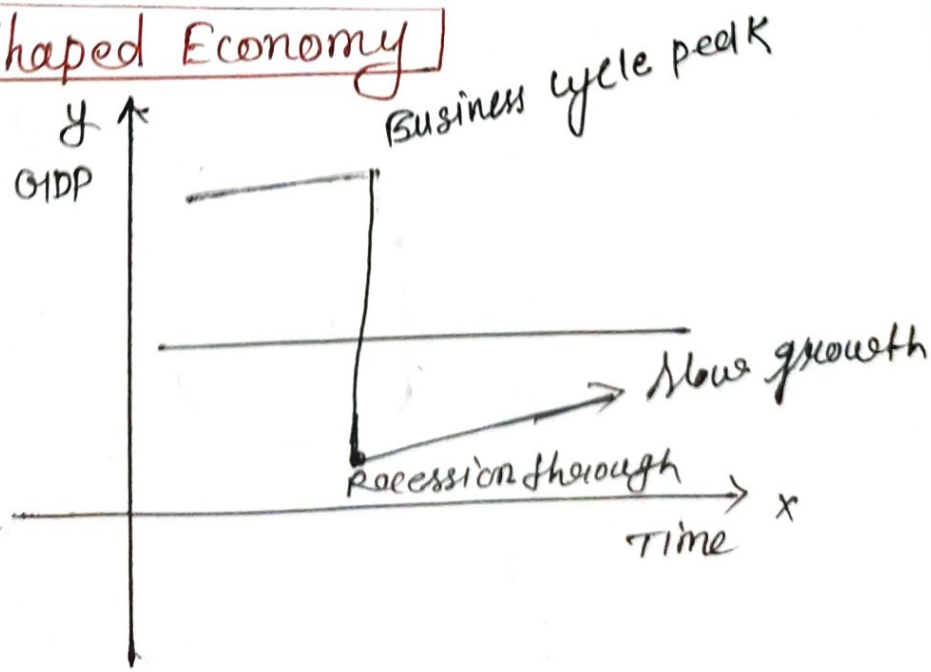

— जब Economy गिरती एवं अपने पुराने स्तर पर वापस आने मे असमर्थ होती है।

— इस अवस्था मे अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता स्थायी रूप से कम हो जाती है।

K-Shaped Economy

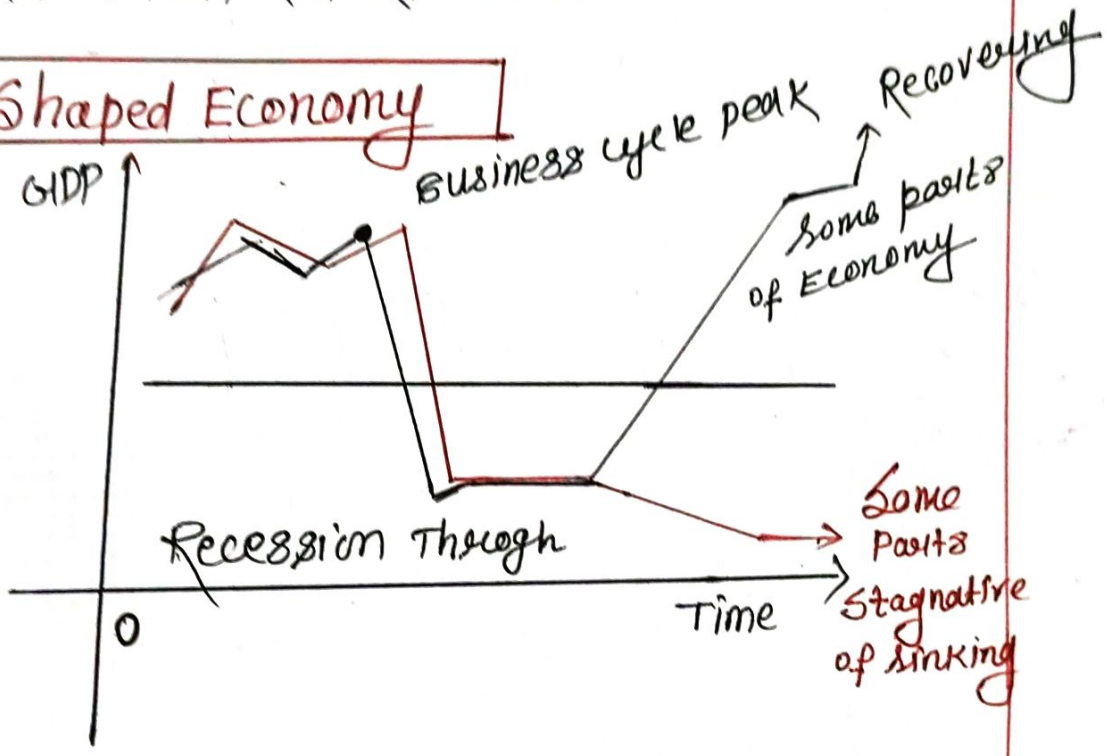

— यह वह अवस्था है जब मंदी के बाद कुछ क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन करते है एवं उनमें तेजी देखी जाती है एवं कुछ क्षेत्र मंदी से पीड़ित होते है।

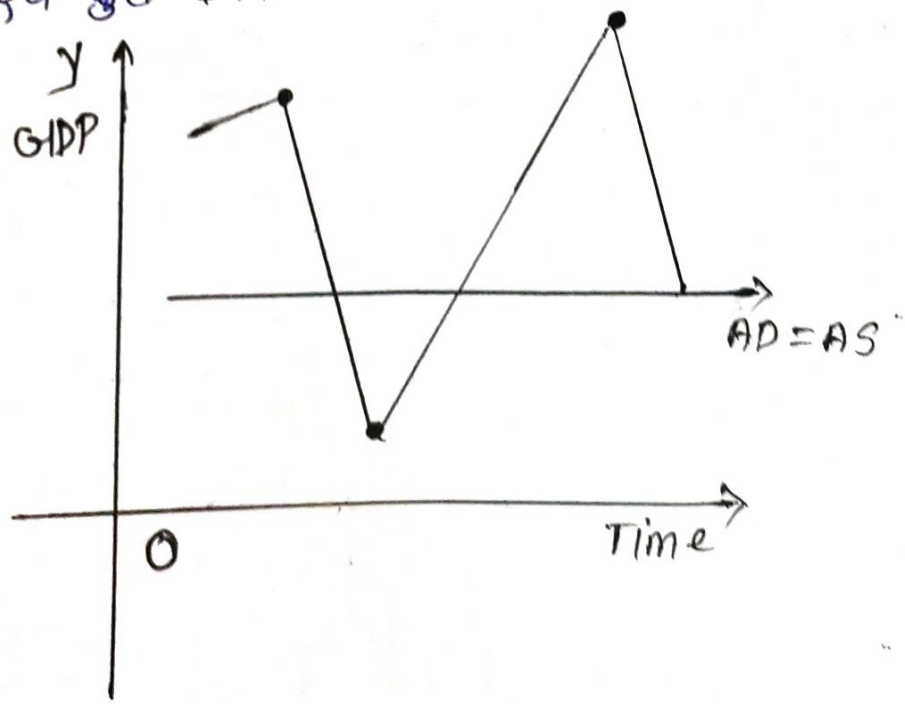

Z-Shaped Economy

- यह सर्वाधिक आशावादी अर्थव्यवस्था का परिदृश्य है
- जिसमे एक अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी के बाद तेजी से ऊपर उठती है